बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
07 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 103
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नारी शक्ति वंदन केवल भाजपा के चुनावी जुमले: गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि बेटी पढाओं, बेटी बचाव व नारी शक्ति वंदन भाजपा के केवल चुनावी जुमले हैं।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने चम्पावत में 16 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ हथियारों की नोक पर हुई सामूहिक बलात्कार की घटना को मानवता को शर्मसार करने वाली तथा देवभूमि उत्तराखंड की अस्मिता को कलंकित करने वाली घटना करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह के माध्यम से जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि चम्पावत में सामूहिक बलात्कार की इस घृणित एवं शर्मनाक घटना से राज्य की गिरती कानून व्यवस्था, राज्य में महिलाओं के साथ लगातार बढते अपराध तथा महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा सरकार की नाकामी उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गृह क्षेत्र चम्पावत

में सामूहिक बलात्कार की इस घटना में भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत की संलिप्तता तथा राज्य में अब तक हुई बलात्कार एवं महिला अपराध की अधिकतर घटनाओं में सत्ताधारी दल भाजपा से जुड़े लोगों का नाम सामने आने से नारी शक्ति वंदन के नाम पर भाजपा की मातृशक्ति के प्रति झूठे दिखावे की पोल खोल कर रख दी है। मामले में सत्ताधारी दल के नेताओं की संलिप्तता के कारण राज्य पुलिस पर इस घटना में भी लीपापोती का दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि राज्य में विगत 10 वर्ष के अन्तराल में महिलाओं एवं मासूमों से बलात्कार, हत्या जैसे जघन्य अपराध की घटनाओं की बाढ जैसी आई हुई है। राज्य में लगातार घट रही सामूहिक बलात्कार की घटनाएं मानवता को शर्मसार करने वाली तथा देवभूमि की अस्मिता को कलंकित करने वाली घटनाएं हैं। महिला अपराध की घटनाओं में उत्तराखण्ड राज्य सभी हिमालयी राज्यों में पहले स्थान पर पहुंच चुका है, परन्तु राज्य की धामी सरकार एवं नारी शक्ति वंदन का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा महिला अपराध की इन घटनाओं को रोकने की बजाय इस प्रकार के अपराध करने वालों की संरक्षक बनी हुई है। गोदियाल ने कहा कि चाहे अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी के रूप में भाजपा नेताओं की भूमिका हो या भाजपा नेता पुत्र पुलकित आर्य की, हरिद्वार में अपनी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी से सामूहिक दुष्कर्म कराने का मामला भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारी अनामिका शर्मा से जुड़ा हुआ हो या द्वाराहाट में नाबालिग दलित युवती से बलात्कार मामले में मुख्य आरोपी भाजपा नेता प्रमोद बिष्ट, रूद्रपुर में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मे मुख्य आरोपी भाजपा नेता नरेन्द्र गंगवार हो या बहादराबाद में दलित युवती की बलात्कार एवं हत्या कांड में मुख्य आरोपी भाजपा नेता अमित सैनी, लालकुंआ नाबालिग बलात्कार कांड में मुख्य आरोपी भाजपा नेता, नैनीताल दुग्ध उत्पादक

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

देहरादून में छिपा था डकैत

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजस्थान में लूट की वारदात को अंजाम देकर पिछले 12 वर्षो से फरार चल रहे एक शातिर को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 20 हजार का ईनाम है जो देहरादून में सिक्यूरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ

❑राजस्थान में लूट की वारदात करके पिछले 12 वर्षो से था फरार
❑देहरादून में कर रहा था सिक्यूरिटी गार्ड की नौकरी

अजय सिंह ने बताया कि बीते दिनों एसटीएफ टीम को सूचना मिली कि सिक्योरिटी एजेंसी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वाला देवेश मोर्या पुत्र नन्द लाल मोर्या, निवासी 16/18 न्यू वसंत विहार, देहरादून, पर राजस्थान राज्य के बांसवाड़ा में अपहरण और लूट का मुकदमा दर्ज है। जिस पर एसटीएफ द्वारा अन्य जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त आरोपी घटना के बाद ही वर्ष 2014 से फरार चल रहा है एवं उस पर राजस्थान पुलिस द्वारा 20 हजार रुपये की धनराशि का इनाम घोषित किया गया है। जिसकी तलाश हेतु राजस्थान पुलिस द्वारा विगत कई वर्षों से लगातार दबिशे दी जा रही थी, परंतु उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी।

एसटीएफ द्वारा गोपनीय इनपुट विकसित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए बीती रात थाना कैंट क्षेत्रांतर्गत आरोपी को पकड़कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही के उपरांत उसे राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया गया।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में आरोपी देवेश मोर्या ने अपने साथी के साथ मिलकर बांसवाड़ा, राजस्थान में एक व्यक्ति को एलआईसी एजेंट के नाम से फोन कर बुलाया। इसके पश्चात रिवॉल्वर दिखाकर उसे उसी के वाहन में अपहरण कर लूट की घटना को अंजाम दिया और फरार हो गए। उक्त प्रकरण में आरोपी पर राजस्थान पुलिस द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

अराजकता का जिम्मेवार कौन?

चुनाव नतीजों के बाद पश्चिम बंगाल से जिस तरह की हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और अराजकता की तस्वीरे सामने आ रही हैं वह न सिर्फ निंदनीय और चिंताजनक है बल्कि उस लोकतंत्र जिस पर हम गर्व का ढिंढोरा पीटते रहते हैं उसके वर्तमान की हकीकत को बयां करने वाली है। पश्चिम बंगाल में जो कुछ भी 4 मई से हो रहा है वह कोई अप्रत्याशित नहीं है इसकी पूरी स्क्रिप्ट पहले ही तैयार की जा चुकी है। भाजपा की जीत के बाद यह सब होना सुनियोजित था, सुनिश्चित था। भाजपा ने देश में 11 साल के अपने शासनकाल में जिस तरह का वातावरण तैयार किया है यह सब उसी की परिणिति है। चुनाव नतीजे आते ही जिस तरह भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा टीएमसी कार्यालय एवं और कार्यकर्ताओं पर हमले किए गए हैं और हिंसा तथा आगजनी की गई है उसमें अब तक जगह-जगह से कहीं से दो तो कहीं से चार लोगों के मरने की खबरें आई है। भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा एक व्यक्ति को ममता जैसी साड़ी पहनाकर, जंजीरों में बांधकर सड़कों पर घूमाने और बुलडोजरों के साथ जुलूस निकाले जा रहे हैं तथा मीट विक्रेताओं की दुकानों में तोड़फोड़ की जा रही है। उसे अब प्रदेश भाजपा के नेताओं व प्रवक्ताओं द्वारा पोस्ट इलेक्शन की वारदातें बताकर या फिर हिंसा के लिए टीएमसी कार्यकर्ताओं को ही जिम्मेदार बना कर पल्ला झाड़ा जा रहा है, वह इस हिंसा की सच्चाई बताने के लिए काफी है। चुनाव नतीजों के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का जो वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि अब सबका साथ, सबका विकास नहीं हमें यह नारा बदलना होगा जो हमारे साथ हम उसके साथ, जो हमारे साथ उसका विकास। बस उसी का विकास। उनके द्वारा पीएम मोदी के नारे को अब पूरी तरह से पलट दिया जाना भाजपा की नीति और नियत का खुलासा करने और भाजपा के असली चाल चरित्र को बताने समझने के लिए बहुत काफी है। केंद्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा को रोकने के लिए जो ढाई से अधिक सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी वह सुरक्षा बल अब कहां है तथा वह क्यों इस हिंसा और आगजनी तथा अराजकता को नहीं रोक पा रहे हैं? इसका कोई जवाब अब किसी के पास नहीं है। भाजपा ने देश में धर्म और सांप्रदायिक राजनीति का वह जो बीज 11 सालों में बोया था वह किस हद तक वटवृक्ष बन चुका है तथा देश के आम आदमी को अब इसका किस तरह का खामियाजा भोगना पड़ रहा है? पश्चिम बंगाल के वर्तमान हालात को देखकर अब यहां भाजपा को वोट देने वाले भी सोचने पर विवश होंगे। सोशल मीडिया पर पश्चिम बंगाल के हालात को नेपाल के तख्तापलट जैसी घटनाओं के दौरान फैली अराजकता और गोधरा कांड जैसी घटनाओं से इसकी तुलना की जा रही है। भले ही यह सब गलत सही लेकिन पश्चिम बंगाल के वर्तमान हालात को देश और समाज के लिए ही नहीं बल्कि देश के लोकतंत्र के लिहाज से भी कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसके दूरगामी परिणाम देश की राजनीति और समाज पर पढ़ने तय हैं। पश्चिम बंगाल में भले ही भाजपा चुनावी नतीजों में जीत गई हो लेकिन सच बात यह है कि चुनावी नतीजों के बाद यहां जो कुछ हो रहा है वह भाजपा की सबसे बड़ी हार है। इस चुनाव की निष्पक्षता तो पहले से ही सवालों के घेरे में थी रही सही कमी अब परिणाम के बाद पैदा हुए हालात ने पूरी कर दी है। जिसके लिए सिर्फ भाजपा ही जिम्मेदार है, कोई और नहीं।

चंपावत कांड ने बीजेपी का चेहरा बेनकाब किया: आप

संवाददाता

देहरादून। चंपावत में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में भाजपा नेता का नाम आने पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह घटना महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा की कथनी और करनी का अंतर उजागर करती है।

आज यहां आम आदमी पार्टी उत्तराखंड ने चंपावत में 16 वर्षीय किशोरी के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना को बेहद शर्मनाक, अमानवीय और उत्तराखंड की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल बताया है। पार्टी ने कहा कि इस मामले में भाजपा से जुड़े नेता का नाम सामने आना और उसके बाद भाजपा नेताओं की चुप्पी, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा की कथनी और करनी का अंतर उजागर करता है। पार्टी ने कहा कि एक तरफ भाजपा संसद में "महिला शक्ति वंदन अधिनियम" और "नारी शक्ति" के नाम पर राजनीतिक प्रचार करती है, वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। अंकिता भंडारी हत्याकांड के बाद अब चंपावत की यह घटना पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा की महिला नेता और महिला मोर्चा, जो हर मुद्दे पर सड़क पर उतरने का दावा करते हैं, इस घटना पर मौन हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्टों में भी उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। हिमालयी राज्यों में महिला अपराध के मामलों में उत्तराखंड लगातार खराब स्थिति में पहुंच रहा है, लेकिन भाजपा सरकार सिर्फ विज्ञापन और छवि चमकाने में व्यस्त है। पार्टी ने कहा कि महिलाओं का सम्मान सिर्फ आरक्षण बिल लाने या नारे लगाने से साबित नहीं होता। जब स्कूल जाने वाली बच्चियां भी सुरक्षित न हों, तब "बेटी बचाओ" जैसे नारे जनता के साथ मजाक बन जाते हैं। महिलाओं को भाषण नहीं, सुरक्षा और न्याय चाहिए।

विस चुनाव 2027 के प्रमुख मुद्दे (भाग-2)

2027 के विधानसभा चुनाव में फिर गरमाएगा 'भू-कानून और मूल निवास' का मुद्दा

'माटी' और 'मानुष' पर सियासत

❑आगामी विधानसभा चुनाव के रण में होगी पहाड़ का पानी और जवानी अब जमीन पर सियासत
❑उत्तराखंड की जमीन और संसाधनों पर पहला हक किसका, सवाल 25 सालों से है सियासत में तैर रहा
❑सूबे की सियासत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे हैं अपणी जमीन-अपणो अधिकार जैसे कई अभियान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की शांत वादियों में इस समय राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। सूबे की राजनीति में एक बार फिर भू-कानून और मूल निवास का मुद्दा चुनावी केंद्र में आता दिखाई दे रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही पहाड़ में जमीन, पहचान और अधिकार को लेकर बहस तेज हो गई है। राज्य गठन के 25 साल बाद भी यह सवाल जनता के बीच जिंदा है कि आखिर उत्तराखंड की जमीन और संसाधनों पर पहला हक किसका होना चाहिए।

बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में बाहरी लोगों द्वारा जमीन खरीदने के मामलों में तेजी आई है। देहरादून, मसूरी, नैनीताल,)षिकेश और चारधाम मार्ग से जुड़े इलाकों में होटल, रिजार्ट और फार्म हाउस संस्कृति बढ़ने से स्थानीय लोगों के बीच अपनी जमीन और संस्कृति के खत्म होने का डर गहरा रहा है। पहाड़ के निवासियों का मानना है कि 2018 के संशोधनों के बाद बाहरी राज्यों के लोगों ने अंधाधुंध जमीनें खरीदी हैं। जनता की मांग है कि हिमाचल की तर्ज पर उत्तराखंड में भी कृषि भूमि की खरीद पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। सरकार ने हाल ही में संशोधनों के जरिए सख्ती दिखाई है, लेकिन आंदोलनकारी शपथ पत्र जैसे प्रावधानों से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि जब तक जमीन नहीं बचेगी, तब तक पहाड़ नहीं बचेगा।

वही प्रदेश में स्थायी निवास बनाम मूल निवास की बहस ने युवाओं को सड़कों पर ला दिया है। आंदोलनकारियों का तर्क है कि 1950 को कट-आफ वर्ष माना जाए, ताकि राज्य के सीमित संसाधनों और नौकरियों पर पहला हक उन लोगों का हो जिनके पूर्वजों ने इस राज्य के लिए संघर्ष किया। यह भावनात्मक मुद्दा सीधे तौर पर राज्य के 70 विधानसभा क्षेत्रों में से पहाड़ी सीटों के नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। राज्य में 2026 के बाद होने वाला संभावित परिसीमन एक और बड़ी चिंता है। जनसंख्या आधारित परिसीमन से पहाड़ों की सीटें घटने और मैदानों की बढ़ने का डर है। ऐसे में भू-कानून और मूल निवास के मुद्दे पहाड़ी अस्मिता को बचाने के आखिरी हथियार के रूप में देखे जा रहे हैं।

राजनीतिक दल भी अब इन मुद्दों की संवेदनशीलता को समझ रहे हैं। सत्ता पक्ष जहां भू-कानून में संशोधन और सख्ती की बात कर रहा है, वहीं विपक्ष सरकार पर केवल आश्वासन देने का आरोप लगा रहा है। क्षेत्रीय दल और छात्र संगठन इसे चुनाव का सबसे बड़ा जनभावनात्मक मुद्दा बनाने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि 2027 का चुनाव केवल सड़क, पानी और बिजली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पहाड़ किसका? जैसे सवाल भी वोट की दिशा तय कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस मुद्दे को सबसे ज्यादा समर्थन युवा और महिलाएं दे रही हैं। गांव खाली होने, खेती खत्म होने और संस्कृति के कमजोर पड़ने की चिंता अब पारिवारिक चर्चा का हिस्सा बन चुकी है। सोशल मीडिया पर भी अपणी जमीन-अपणो अधिकार जैसे अभियान तेजी से चल रहे हैं।

उत्तराखंड के चुनाव अब तक दिल्ली के चेहरे और केंद्र की योजनाओं पर लड़े जाते रहे हैं। लेकिन 2027 में पहली बार लोकल का शोर सबसे तेज होगा। सोशल मीडिया से लेकर गांव की चौपालों तक, युवा वोटर पूछेगा कि अगर हमारी जमीन और पहचान ही नहीं रही, तो सड़कों और पुलों का हम क्या करेंगे? आने वाले विधानसभा चुनावों में यह साफ होगा कि राजनीतिक दल इन भावनाओं को केवल नारों तक सीमित रखते हैं या वास्तव में कोई ठोस नीति सामने लाते हैं। फिलहाल इतना तय है कि उत्तराखंड की सियासत में भू-कानून और मूल निवास का मुद्दा आने वाले दिनों में और ज्यादा गरमाने वाला है।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

हमारे संवाददाता

नैनीताल। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार जिला कार्यालय सभागार, नैनीताल में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं प्रशासन) सौरभ असवाल की अध्यक्षता में मानसून पूर्व तैयारी बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी, अंतर-विभागीय समन्वय और त्वरित रिस्पॉन्स सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहते हुए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सभी सड़क एवं निर्माण एजेंसियां को सभी संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित मार्गों पर जेसीबी, पोकलैंड सहित भारी मशीनरी मय ऑपरेटर एवं अवर अभियंता की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा तैनात कार्मिकों के नाम व मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाएं। अपर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर बाढ़ संभावित, भू-स्खलन प्रभावित व मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत विभाग को मानसून में विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल बहाली हेतु पोल, तार, ट्रांसफार्मर आदि का पर्याप्त स्टॉक रखने के अतिरिक्त वैकल्पिक लाइन की व्यवस्था पूर्व से सुनिश्चित के निर्देश दिए। इसी प्रकार

❑एडीएम की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

जल संस्थान/पेयजल निगम को पेयजल लाइनों की मरम्मत, टंकियों की सफाई तथा पाइप, फिटिंग्स का बफर स्टॉक मानसून पूर्व रखा जाए। पेयजल आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने हेतु टैंकरों की व्यवस्था भी तैयार रखी जाए।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सभी सीएचसी, पीएचसी एवं उप केंद्रों में जीवनरक्षक दवाएं, एंटी-वेनम, ओआरएस आदि आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में मेडिकल टीम व एम्बुलेंस की अग्रिम तैनाती हो। मानसून के दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को दुर्गम एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में तीन माह का अग्रिम खाद्यान्न भंडारित करने के निर्देश दिए ताकि मार्ग अवरुद्ध होने पर आपूर्ति बाधित न हो। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा कंट्रोल रूम जिला एवं सभी तहसील मुख्यालयों पर 24 घंटे क्रियाशील रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग सूचना प्राप्त होते ही रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखा जाए। बैठक के दौरान कहा कि मानसून काल में सभी चिन्हित राहत शिविरों में खाद्य पैकेट, कंबल, मेडिकल किट, पेयजल, प्रकाश आदि की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित हो इस हेतु संबंधित विभाग अभी से तैयारी पूरी कर लें।

टिहरी के विद्यालयों में शौचालय निर्माण के लिए बजट जारी

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लंबे समय से बनी शौचालयों की कमी और जर्जर स्थिति अब जल्द दूर होने की उम्मीद जगी है। जिले के 62 विद्यालयों में नए शौचालय निर्माण के लिए शासन स्तर से स्वीकृति मिल गई है। कार्य के लिए कुल दो करोड़ 34 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है जिसके तहत प्रत्येक विद्यालय में एक शौचालय निर्माण पर करीब 3.79 लाख खर्च किए जाएंगे। टिहरी जिले के कई प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शौचालयों का अभाव बना था। कुछ विद्यालयों में एक ही शौचालय का उपयोग छात्र-छात्राओं को करना पड़ रहा था जिससे छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्वच्छता और सुरक्षा के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक बनी थी जिन विद्यालयों में शौचालयों की कमी बनी थी। गत वर्ष शिक्षा निदेशालय की ओर से जिले से सूची मांगी गई थी। लंबे इंतजार के बाद अब जिले के 62 विद्यालयों में नए शौचालय निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। शिक्षा विभाग की ओर से निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत धनराशि कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग को जारी कर दी गई है।

केदारनाथ में टोकन से ही श्रद्धालुओं को कराएं दर्शन

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित, सुगम बनाने के लिए आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय व पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने धाम क्षेत्र में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त व आईजी ने बाबा केदार के दर्शन के लिए लागू टोकन व्यवस्था की समीक्षा की और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से ही दर्शन कराए जाएं। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता व पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती हो। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने एवं धाम क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के कारण फिसलन वाले स्थानों पर नियमित रूप से बर्फ हटाने, हेलिपैड पर यात्रियों की सुविधा के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, वरिष्ठ तीर्थपुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर व बीकेटीसी के सदस्य डॉ, विनीत पोस्ती व तीर्थपुरोहित उपस्थित रहे।

घनसाली और चमियाला में हाइडेंट का प्रस्ताव फाइलों में कैद

नई टिहरी(आरएनएस)। गर्मियों में आगजनी का खतरा बढ़ जाता है लेकिन जिले का अग्निशमन विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। काम चलाऊ व्यवस्था में सुधार के प्रयास धरातल पर नहीं उतर पा रहे हैं। विभाग की मांग का प्रस्ताव लंबे समय से फाइलों में कैद है। जिला मुख्यालय स्थित फायर स्टेशन के पास पर्याप्त साधन हैं। हालांकि, लगातार विकसित हो रहे ग्रामीण बाजारों में आगजनी से निपटने के लिए कोई तत्काल व्यवस्था नहीं है। दूर-दराज के बाजारों में घटना होने पर मुख्यालय से ही राहत व बचाव टीम भेजनी पड़ती है। वर्ष 2021-22 में घनसाली में अग्निशमन विभाग की एक यूनिट खोली गई थी लेकिन वहां अभी तक पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और केवल एक फायर हाइडेंट से काम चलाया जा रहा है। घनसाली में दो और चमियाला में एक प्रस्तावित हाइडेंट का प्रस्ताव भी फाइलों में अटका है। जिला मुख्यालय में भी क्रैश फायर टेंडर के बदले काम चलाऊ व्यवस्था है। उड्डयन विभाग से मिला एक क्रैश फायर टेंडर कोटीकॉलोनी हेलिपैड पर हेली सेवा की सुरक्षा में व्यस्त है। इससे अन्य हेलिपैड की सुरक्षा के लिए सिलिंडर और ड्रम फोम टेंडर का उपयोग करना पड़ता है। लंबगांव, कैंपटी, कंडीसौड़, जाखणीधार और गजा जैसे बड़े बाजारों में कहीं भी हाइडेंट की व्यवस्था नहीं है।

आधार कार्ड के लिए जाना पड़ रहा 50 से 100 किमी दूर

चमोली(आरएनएस)। आदिबदरी डाकघर में आधार कार्ड बनाने की मशीनें होने के बावजूद ग्रामीणों को यह सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में क्षेत्र के कई गांवों के लोगों को आधार कार्ड बनाने और संशोधन के लिए 50 से 100 किलोमीटर दूर कर्णप्रयाग, गैरसैंण या सिमली जाना पड़ रहा है। डाकघर में वर्ष 2023 में आधार कार्ड बनाने की मशीन लगाई गई थी लेकिन यह लंबे समय तक निष्क्रिय रही। बीच में कुछ महीनों के लिए यहां काम हुआ लेकिन पिछले दो वर्ष से मशीनें फिर धूल फांक रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता बचन सिंह नेगी ने बताया कि मज्याड़ी मल्ली, सिलपाटा, प्यूंरा, बेड़ी, छिमटा केड़ा और पंडाव जैसे कई गांवों के ग्रामीणों को आधार कार्ड संबंधी कार्यों के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से आदिबदरी डाकघर में शीघ्र आधार कार्ड बनाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं आदिबदरी डाकघर के पोस्टमास्टर रमेश चंद्र धीमन ने बताया कि मशीन तो हैं मगर इसे संचालित करने के लिए कोई प्रशिक्षित व्यक्ति नहीं है। स्टाफ के लिए जल्द व्यक्ति का चयन कर उसे प्रशिक्षित किया जाएगा।

उत्तराखंड के पहाड़ों की परंपरा का अनोखा और अटूट रिश्ता

ध्याणः मैत की 'महक' और ससुराल की 'साख'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के लोक-जीवन में 'ध्याण' मात्र एक शब्द नहीं, बल्कि एक संपूर्ण संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड के गांवों में जब कोई बेटी ब्याह कर ससुराल की देहरी लांघती है, तो वह केवल एक 'वधू' की नई पहचान नहीं पाती, बल्कि अपने मायके के लिए वह 'ध्याण' के एक पूजनीय और भावनात्मक रिश्ते में बंध जाती है।

❑बेटी ससुराल जाती है 'ध्याण' बनकर जोड़ती है दो रिश्तों को
❑दो परिवारों, दो गांवों और दो संस्कृतियों का है आपसी मिलन
❑पहाड़ के गांवों में ध्याण का मायके से रिश्ता होता है बेहद खास

पहाड़ की परंपराओं के अनुसार विवाहित बेटी को ध्याण कहा जाता है। वह एक ऐसा जीवंत सेतु है जो दो परिवारों, दो गांवों और दो संस्कृतियों को आपस में जोड़ती है। बुजुर्ग कहते हैं कि जिस घर की ध्याण खुशहाल होती है, उस घर की सात पीढ़ियां तर जाती हैं। मैत के लिए वह आज भी वही छोटी बच्ची है जो कभी गांव की पगडंडियों पर दौड़ती थी, जबकि ससुराल के लिए वह घर की मर्यादा और लक्ष्मी का रूप है।

उत्तराखंड के पहाड़ों में बोली जाने वाली भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं की गहराई को व्यक्त करने का जरिया भी है। यहां के शब्दों में रिश्तों की गर्माहट और जीवन की सादगी साफ झलकती है। पहाड़ी समाज में 'ध्याण' का अर्थ केवल एक विवाहित बेटी नहीं, बल्कि वह भावनात्मक पहचान है, जिसमें बेटी दूर रहकर भी अपने घर की आत्मा बनी रहती है। विवाह के बाद उसका घर बदल जाता है, जिम्मेदारियां बदल जाती हैं, लेकिन मायके के प्रति उसका स्नेह और अधिकार वैसा ही बना रहता है।

पहाड़ के गांवों में ध्याण का मायके से रिश्ता बेहद खास होता है। साल भर में जब भी वह मायके आती है, तो घर का माहौल बदल जाता है। उसके आने से आंगन में फिर से रौनक लौट आती है। मां-बाप के चेहरे पर संतोष और खुशी दिखाई देती है, जबकि भाई-बहनों के लिए यह मिलन पुराने दिनों की यादों को ताजा कर देता है। पहाड़ में त्योहार, मेलों और विशेष अवसरों पर ध्याण को मायके बुलाने की परंपरा रही है। यह सिर्फ एक सामाजिक रिवाज नहीं, बल्कि उस भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है, जो समय और दूरी के बावजूद कायम रहता है।

लोक गीतों में ध्याण की गूंज

पहाड़ की अस्मिता और ध्याण का रिश्ता इतना गहरा है कि हमारे लोक गीत इसके बिना अधूरे हैं। उंची डांडियों मा बांज-बुरांश फूलिगे, पर मेरो भाई भिटौली ले के नी औई...। यह पंक्तियां उस ध्याण की पीड़ा और प्रतीक्षा को दर्शाती हैं, जो ससुराल के कठिन श्रम के बीच अपने मायके की यादों में डूबी रहती है।

नंदा है देवभूमि की सबसे बड़ी ध्याण

उत्तराखंड की आराध्य देवी मां नंदा को भी राज्य की ध्याण माना जाता है। नंदा राजजात यात्रा दरअसल एक ध्याण की अपने ससुराल जाने की ही विदाई यात्रा है। जब मां नंदा को विदा किया जाता है, तो हर पहाड़ी की आंख इसलिए नम होती है क्योंकि वह अपनी ही घर की बेटी यानी ध्याण को विदा कर रहा होता है।

पहाड़ी समाज में बेटी की विदाई हमेशा भावुक क्षण होता है। ध्याण के रूप में उसकी पहचान उस दर्द को भी समेटे होती है, जो उसे मायके से दूर होने पर महसूस होता है। लेकिन यही दूरी हर मुलाकात को और भी खास बना देती है। जब ध्याण मायके लौटती है, तो वह सिर्फ एक बेटी नहीं, बल्कि खुशियों का पूरा संसार लेकर आती है। उसकी उपस्थिति घर के हर कोने को जीवंत कर देती है।

'ध्याण' का आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी जड़ों के प्रति उसका लगाव कम नहीं हुआ है। वह आज भी अपनी लोक-संस्कृति की सबसे बड़ी संवाहक है। 'ध्याण' आज भी पहाड़ की संस्कृति और संवेदना यह उस अटूट रिश्ते की पहचान है, जो बेटी के ससुराल जाने के बाद भी मायके से कभी नहीं टूटता। आज बेटियां शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसके बावजूद ध्याण की परंपरा और उससे जुड़ी भावनाएं आज भी पहाड़ों में उतनी ही मजबूत हैं।

जनहित की योजनाओं में ढिलाई नहीं: जिलाधिकारी

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनपद स्तर पर स्वीकृत योजनाओं की विभागवार अद्यतन स्थिति का परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपादित करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जनपद स्तर पर मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित कोई भी कार्य लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि स्वीकृत घोषणाओं पर तत्काल कार्यवाही शुरू हो तथा जिन योजनाओं पर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उनके प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन घोषणाओं के लिए डीपीआर तैयार किया जाना है, उन्हें शीघ्रता से तैयार कर शासन को प्रेषित किया जाए ताकि स्वीकृति एवं बजट आवंटन की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि डीपीआर तैयार करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए। जिन योजनाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो रही है, उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करते हुए कार्यों में अपेक्षित तेजी लाई जाए। इसके साथ ही सभी विभागीय अधिकारी नियमित स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखें।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं जनहित से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, जिनका सीधा लाभ आमजन को प्राप्त होता है। इसलिए इन योजनाओं के क्रियान्वयन में गति, गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस. खाती, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मोहित मल्ली, जिला विकास अधिकारी दिनेश डिगारी, जिला पंचायत राज अधिकारी महेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

एक्ने और ऑयली स्किन के लिए बेस्ट है जोजोबा ऑयल

जिन लोगों के चेहरे पर मुंहासे होते हैं, वो शायद ही अपनी स्किन पर किसी भी प्रकार का तेल लगाने से बचते हैं। कई लोग तो अपनी स्किन पर मॉइस्चराइजर तक लगाने से डरते हैं। मगर यह धारणा पूरी तरह से गलत है कि अगर आपकी स्किन एक्ने प्रोन है, तो उस पर तेल सूट नहीं करेगा।

हालांकि, कुछ तेल ऐसे होते हैं जिन्हें लगाने से स्किन पोर्स ब्लॉक हो जाती हैं और फिर उनमें मुंहासों का डर बना रहता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो बिना डरे हुए एक एसेंशियल ऑयल चेहरे पर लगा सकती हैं, जिससे न तो मुंहासों का डर सताएगा और न ही स्किन ऑयली नजर आएगी। यह तेल है जोजोबा ऑयल, जिसकी खासियत है कि यह न तो ऑयली होता है और न ही स्किन को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाता है। यदि आप एक्ने प्रोन स्किन वाली हैं, तो आपको जोजोबा एसेंशियल ऑयल जरूर ट्राय करना चाहिए। यहां जानें इसे चेहरे पर लगाने के फायदे...

स्किन पर जोजोबा ऑयल के फायदे

जोजोबा ऑयल में विटामिन-ई, विटामिन-बी और कॉपर से लेकर ऐसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपकी सेहत और त्वचा पर जादू करते हैं। यह हाइड्रेटिंग, एंटी-एजिंग और मुंहासों को आने से रोकता है।

नहीं आती है तेल वाली फीलिंग

जोजोबा ऑयल को चेहरे पर लगाकर आपको ऐसा नहीं लगेगा कि आपने तेल लगाया है। बल्कि आपको ऐसा लगेगा कि आपने मोम लगाया है यानी कि आप को ऐसा लगेगा कि आपने चेहरे पर एक मैट क्रीम लगाई है। यह आपके चेहरे पर बिल्कुल भी ऑयली नहीं लगेगा।

मुंहासों के लिए किस तरह है फायदेमंद

तैलीय त्वचा वाले लोगों को कहा जाता है कि वे तेल आधारित फॉर्मुलों से दूर रहें। लेकिन दूसरी क्रीम्स और तेलों की तरह यह ऑयल बिल्कुल भी चिपचिपा नहीं होता। इससे पोर्स ब्लॉक नहीं बल्कि खुल जाते हैं, जिससे स्किन ऑयली नहीं होती। इसमें पाया जानें वाला एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंहासों की समस्याओं को दूर रखता है।

स्किन ड्रायनेस को दूर करे

यह तेल स्किन की गहराई तक जाकर स्किन को हाइड्रेट करता है और रूखेपन को दूर करता है। जोजोबा तेल में टोकोफेरॉल नामक यौगिक होते हैं, जो विटामिन ई का एक रूप है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। इसके कारण त्वचा के टेक्सचर में सुधार आता है और फाइन लाइन्स को रोकने में भी मदद मिलती है।

बच्चों में डैंड्रफ दूर करने के आसान और सुरक्षित घरेलू उपाय

बड़ों ही नहीं बल्कि बच्चों में भी डैंड्रफ की समस्या होती है। इसके लक्षणों में खुजली, रूखापन, रूखे बाल और स्कैल्प पर सनसनाहट महसूस होना शामिल है। स्कूल या खेलते समय बच्चों का सिर खुजलाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता है। डैंड्रफ के घरेलू उपायों से आप बच्चों में रूसी को जड़ से खत्म कर सकते हैं और सबसे खास बात है कि यहां बताए गए रूसी के घरेलू नुस्खों के कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होते हैं।

नींबू का रस

नींबू बेहतरीन प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। ये त्वचा की मत कोशिकाओं को हटाता है और स्कैल्प पर जमा फलैक्स को कम करता है। चार चम्मच पानी में आधा या एक नींबू निचोडकर, इस मिश्रण से सिर की मालिश करें और फिर कुछ देर तक इसे लगा रहने दें। थोडी देर बाद बालों को हल्के या कम केमिकल वाले शैंपू से धोएं। सप्ताह में एक या दो बार नींबू का रस लगा सकते हैं।

विनेगर

सफेद सिरका और एप्पल साइडर विनेगर दोनों ही डैंड्रफ से छुटकारा दिलाने में असरकारी होते हैं। एप्पल साइडर विनेगर बालों के फॉलिकल्स और बंद रोमछिद्रों को खोलता है। वहीं, सफेद सिरके में एसिटिक एसिड होता है जो स्कैल्प से फंगस को बढ़ने से रोकता है। आप सिरके की जितनी भी मात्रा लें, उससे दोगुनी मात्रा में पानी लें। इस मिश्रण से बालों को धोएं और फिर ठंडा पानी डालें।

लहसुन और एलोवेरा जेल

जरूरत के अनुसार लहसुन लें और उसे घिसकर उसमें थोड़ासा पानी मिलाएं। इस पेस्ट को स्कैल्प पर लगाएं। लहसुन में एंटी फंगल गुण होते हैं जो डैंड्रफ को खत्म करने में मदद करता है।

इसके अलावा एलोवेरा में भी फंगस रोधी और बैक्टीरिया रोधी गुण होते हैं। बालों को धोने से पहले स्कैल्प पर एलोवेरा जेल लगाएं और थोड़ी देर बाद बालों को शैंपू से धो लें।

नीम और बेकिंग सोडा

नीम में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। नीम की पत्तियों को पीसकर उसमें कुछ बूंद पानी मिलाकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को बालों में लगाएं। पेस्ट लगाने के आधे घंटे बाद बालों को धो लें। नीम के अलावा बेकिंग सोडा भी डैंड्रफ को दूर कर सकता है। शैंपू में आधा चम्मच बेकिंग सोडा मिलकर बालों को वॉश करें। ये स्क्रब का काम करेगा और स्कैल्प को एक्सफोलिएट करेगा। इससे सिर की त्वचा पर डैंड्रफ नहीं बनेगा।

गर्मियों में सलाद में जरूर शामिल करें 2 प्याज

प्याज ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसे कई लोग खाने से कतराते हैं। इस पर जब लोगों से पूछा जाता है कि ऐसा क्यों? तो उनका जवाब होता है कि प्याज खाने से मुंह से बदबू आने लगती है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि प्याज का सेवन करने के कारण हमारे शरीर को कितने जरूरी पौष्टिक तत्व मिलते हैं?

अगर नहीं, तो यह जरूर जान लें कि गर्मियों में प्याज का सेवन करने के कारण यह हीट स्ट्रोक से बचाने का काम तो करेगा ही, साथ ही साथ अन्य कई हानिकारक बीमारियों से भी आपको बचाएगा। नीचे जानिए प्याज का सेवन करने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

गर्मियों का समय उत्तर भारत में इतना भयानक होता है कि हर साल कई लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं। प्याज का सेवन करने के कारण हीट स्ट्रोक की समस्या से बचे रहने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि प्याज में जल की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है जो आपकी बॉडी को जरूरत पड़ने पर पानी की कमी को पूरा कर सकता है। इसलिए गर्मियों में नियमित रूप से प्याज का सेवन कर सकते हैं।

कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से भारत में हर साल लाखों लोग की जान जाती है। विभिन्न प्रकार के कैंसर से आपके शरीर को बचाए रखने के लिए प्याज में एंटीकैंसर गुण पाया जाता है। यह शरीर में पनप रही कैंसर सेल्स को मारने का गुण रखता है। इसी प्रभाव के कारण आपका शरीर कैंसर के जोखिम से बचा रहता है।

प्याज को आप अपनी डायट में सलाद की तरह शामिल कर सकते हैं। खासकर यह उन लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित होकर और जिनका सुचारू रूप से पूरी बॉडी तक नहीं पहुंचता है। इसके कारण व्यक्ति को थकान और कमजोरी भी महसूस होने लगती है। जबकि प्याज का सेवन करने के कारण इसमें मौजूद विशेष गुण ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करने में सक्रिय रूप से मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने के कारण ही हमारे शरीर कई प्रकार के संक्रामक बीमारियों से बचा रहता है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत मजबूत होती है वह जल्दी बीमार नहीं पड़ते और उन्हें सर्दी जुकाम की समस्या भी नहीं होती है। प्याज में इम्यून सेल्स को मेंटेन बनाए रखने की विशेष क्रिया पाई जाती है। इसलिए आप भी अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए प्याज का सेवन नियमित रूप से कर सकते हैं।

पाचन क्रिया में गड़बड़ी होने के कारण और जंक फूड का अधिक सेवन करने से भी पेट में अल्सर की समस्या हो सकती है। यही अल्सर बड़े होकर कैंसर का रूप ले सकते हैं और आपके कोलन इन्फेक्शन का कारण भी बन सकते हैं। इस समस्या से बचे रहने के लिए प्याज का सेवन किया जा सकता है क्योंकि यह पेट के अल्सर को ठीक करने के लिए प्रभावी रूप से मददगार होती है।

आपने अक्सर देखा होगा कि जब कभी घर पर किसी को चोट लग जाती है तो उसे प्याज और हल्दी को चोट लगने वाली जगह पर लगाने की सलाह दी जाती है। इसका वैज्ञानिक कारण क्या है कि प्याज में और गुण पाया जाता है। यह दर्द के कारण होने वाली सूजन को कम करने में प्रभावी रूप से कार्य करता है। इसलिए प्याज का सेवन करने के कारण आपके शरीर में को दर्द में तो राहत मिलेगी ही, जबकि इसका इस्तेमाल करने के कारण ही आप स्वस्थ बने रहेंगे।

शब्द सामर्थ्य -025

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

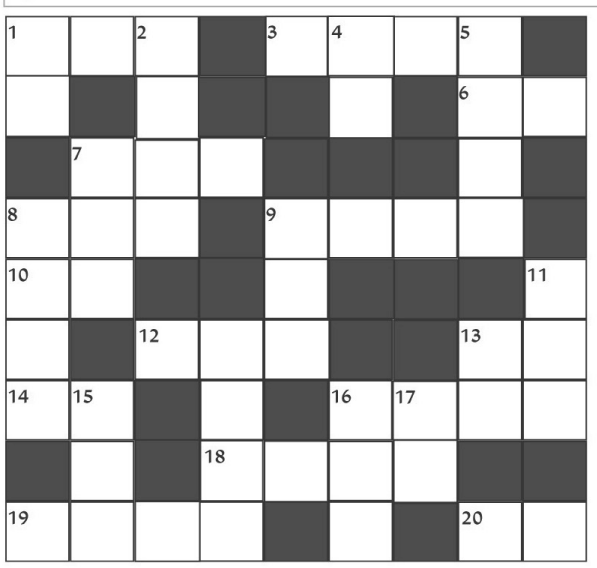

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 24 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

महावतार नरसिम्हा के बाद पर्दे पर गूजेंगी महावतार परशुराम की गाथा!

सिने प्रेमियों को केजीएफ', सालार' और कांतारा' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले होम्बले फिल्म्स ने आज परशुराम जयंती के अवसर पर फैंस को तोहफा दिया है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की दूसरी किस्त के रूप में फिल्म महावतार परशुराम का पहला पोस्टर और टीजर साझा किया है। बता दें कि भगवान विष्णु के दस अवतारों पर आधारित सात भागों वाले एनिमेटिड महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की यह दूसरी किस्त है। इससे पहले फिल्म महावतार नरसिम्हा काफी पसंद की गई थी।

होम्बले फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसके जरिए महावतार परशुराम का पहला पोस्टर रिलीज किया गया है। फिल्म का पोस्टर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में रिलीज किया गया है। इससे साफ है कि यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर बनेगी। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, जब धर्म का पतन होता है, तब परशु (फरसा) उठता है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली पेशकश पेश है। इसके अलावा मेकर्स ने टीजर भी पेश किया है। फिल्म महावतार परशुराम का पहला पोस्टर जारी। आगे लिखा है, कोई शासक नहीं, बल्कि अधर्म के विरुद्ध एक शक्ति; जो युगों-युगों तक संतुलन स्थापित करती है। आपको परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। मेकर्स की तरफ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म दिसंबर 2027 में यानी अगले साल रिलीज होगी। हालांकि, तारीख को लेकर अभी डिटेल नहीं साझा की गई है।

दिलजीत के साथ सपनों की दुनिया का किस्सा लेकर आए इम्तियाज!

फिल्म बॉर्डर 2 के बाद दिलजीत दोसांझ की अगली फिल्म मैं वापस आऊंगा है। फिल्म का टीजर सामने आया है। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। टीजर में पुराने वक्त की एक प्रेम कहानी नजर आ रही है। इसमें शरवरी एक अलग अंदाज में दिखाई दीं।

यह पंजाबी पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रेम कहानी है। टीजर में दिखाया है कि एक लड़का, एक लड़की को पसंद करता है। उसे छिपकर देखता रहता है। फिर दोनों मिलते हैं और कहानी आगे बढ़ती हैं। 1970 के बैकड्रॉप में सेट है इस कहानी में वेदांग रैना और शरवरी नजर आ रहे हैं। वहीं आज के दौर की कहानी दिलजीत और नसीरुद्दीन शाह पर फिल्माई गई है। दोनों के किरदार भावुक हैं। टीजर में पंजाब के हरे-भरे खेतों से लेकर किरदार तक पुराने दौर की याद दिला रहे हैं। कई यूजर्स ने फिल्म का ट्रेलर देखकर इसकी तुलना इम्तियाज की ही फिल्म लव आजकल' से की। दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में शरवरी और वेदांग रैना भी मुख्य भूमिकाओं मे हैं। इस फिल्म को इम्तियाज अली ने निर्देशित किया है। समीर नायर इसके प्रोड्यूसर हैं।

सलमान खान ने दिल राजू की फिल्म के लिए कसी कमर

सलमान खान की फिल्म मातृभूमि का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, खबर है कि उन्होंने दिल राजू और वामशी पेडिपल्ली की फिल्म को लेकर अपनी कमर कस ली है। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग मुंबई में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। निर्देशक पेडिपल्ली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मुहूर्त की तस्वीर साझा की है और फैंस की इस शुरुआत की एक झलक दिखाई है। निर्देशक ने फिल्म पर जानकारी देते हुए लिखा, सलमान खान और वामशी पेडिपल्ली की फिल्म...आज से सब शुरू हो रहा है...। इस तरह इस विशाल प्रोडक्शन की यात्रा आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। फिल्म की शुरुआती शूटिंग मुंबई में चल रही है और लगभग 2 हफ्ते तक जारी रहने की उम्मीद है। इस दौरान, टीम फिल्म के शुरुआती दृश्यों के साथ-साथ कहानी की पृष्ठभूमि तैयार करने वाले कुछ जरूरी दृश्यों की शूटिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी। मुंबई में शूटिंग पूरी होने के बाद, प्रोडक्शन टीम अगले चरण की शूटिंग अलग-अलग जगहों पर करेगी। कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी गई है, लेकिन नयनतारा के साथ सलमान की जोड़ी ने फैंस के बीच उत्सुकता को काफी बढ़ा दिया है। बता दें, नयनतारा को शाहरुख खान की फिल्म जवान में देखा गया था। वहीं निर्देशक वामशी इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखेंगे और सलमान को निर्देशित करने वाले पहले तेलुगू निर्देशक बन जाएंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त, 24 नमूने जांच को भेजे

बागेश्वर(आरएनएस)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीमों ने बागेश्वर नगर के बाजारों से लेकर कौसानी के होटल-रिसॉर्ट तक व्यापक औचक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान कुल 24 खाद्य नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा और जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में सहायक आयुक्त एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, मॉल, होटल और रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। टीम ने आम, केला और पपीता जैसे फलों को रसायनों से पकाने तथा हरी सब्जियों में प्रतिबंधित रंगों के उपयोग की विशेष जांच की। संदेह के आधार पर फल-सब्जियों के छह और अंडों के दो नमूने लेकर राज्य खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजे गए। अधिकारियों ने विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि फलों को प्राकृतिक रूप से पकाया जाए और सब्जियों में किसी भी प्रकार के कृत्रिम रंग का प्रयोग न किया जाए।

पर्यटन स्थल कौसानी में 10 होटल, रिसॉर्ट और रेस्टोरेंट का भी औचक निरीक्षण किया, जहां किचन की स्वच्छता, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और भंडारण व्यवस्था की जांच की गई। अनियमितताएं मिलने पर जूस की चार बोतलें, मसालों के तीन पैकेट और डीप फ्रीजर में रखा बासी चावल, दाल व चिकन मौके पर ही नष्ट कराया गया। संबंधित संचालकों को अंतिम चेतावनी दी गई है।

वहीं, बागेश्वर नगर के रेस्टोरेंट और मॉल में भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन प्रकाश फुलारा ने बताया कि गर्मी के मौसम में खाद्य पदार्थों में मिलावट और खराब होने की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि फलों को केमिकल से पकाना और सब्जियों में हानिकारक रंग मिलाना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत दंडनीय अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह भी स्पष्ट किया कि पर्यटन सीजन के दौरान औचक निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे। अभियान के दौरान भूपेंद्र देव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कृषि अधिकारी को समस्याओं से अवगत कराया

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भंडारी से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलशन रोड़ ने बताया कि स्थानीय बाजार में बहुत सारी नकली दवाइयां मिल रही हैं। जिसके कारण फसलों को नुकसान हो रहा है। किसान को नकली और असली दवाई के फर्क की समझ नहीं है। जिसका लाभ दुकानदार उठा रहे हैं। प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और जहां भी नकली दवाई बिक रही हो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नकली दवाइयों के कारण फसल का तो नुकसान हो रहा है साथ ही लोगों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है। नकली दवाई के कारण अनाज में पौष्टिकता कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकारी रेट पर यूरिया मिलना चाहिए। कई जगह पर सरकारी रेट से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। किसानों के साथ बहुत धोखा हो रहा है। जल्द ही समस्याओं का निराकरण नहीं होता है तो उत्तराखंड किसान मोर्चा कृषि विभाग के खिलाफ बड़े आंदोलन को बाध्य होगा।

जान जोखिम में डालकर करना पड़ रहा सफर

नई टिहरी(आरएनएस)। भंडारकी-विकोल सड़क की बदहाली ने थौलधार क्षेत्र के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ल्वाडी-गैर के बीच कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। बीते छह माह से लोग वैकल्पिक कच्ची सड़क के सहारे आवागमन को मजबूर हैं, लेकिन अब तक स्थायी मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। भंडारकी-विकोल सड़क कस्तल, नौगांव, बनंस्यूल और मजकोट समेत कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। तहसील और ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचने के लिए ग्रामीण इसी मार्ग पर निर्भर हैं। बावजूद इसके सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार बीते सितंबर माह में हुई भारी बारिश के दौरान ल्वाडी-गैर के बीच सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई थी। मजकोट इंटर कॉलेज की सुरक्षा दीवार ढहने से करीब 300 मीटर सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई थी जबकि अन्य जगहों पर सड़क धंस गई थी। आपदा के बाद कार्यदायी संस्था ने अस्थायी राहत देते हुए दूसरी ओर से कच्ची सड़क बनाकर आवागमन शुरू तो कर दिया लेकिन इसके बाद स्थायी समाधान की दिशा में कोई काम नहीं हुआ। बनंस्यूल के पूर्व बीडीसी सदस्य भाग सिंह बयाणा, पूर्व प्रधान जयेंद्र सेमवाल ने पीएमजीएसवाई की लचर कार्य प्रणाली पर कड़ा आक्रोश जताया।

भीमबली के पास घोड़े से गिरकर यात्री घायल

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर भीमबली के समीप एक यात्री घोड़े से गिरकर घायल हो गया। मंगलवार सुबह करीब 8:45 बजे हरियाणा के अंबाला कैंट निवासी तरुण कुमार (58) गौरीकुंड से केदारनाथ की ओर घोड़े से जा रहे थे। इसी दौरान घोड़े का पैर फिसलने से वह रास्ते पर गिर गए और उनके पैर में चोट लग गई। सूचना मिलने पर डीडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्र की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और घायल यात्री को भीमबली से स्ट्रेचर से मीठा पानी तक पहुंचाया गया। इसके बाद जंगलचट्टी की टीम ने उन्हें चिरबासा हेलिपैड तक पहुंचाया। चिरबासा से आगे गौरीकुंड में टीम ने घायल को एंबुलेंस से उपचार के लिए भेजा गया।

तहसील दिवस में 92 शिकायतें दर्ज, 22 का मौके पर निस्तारण

रुद्रपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में तहसील दिवस आयोजित किया गया। इसमें कुल 92 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 22 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। ब्लॉक सभागार में आयोजित तहसील दिवस में डीएम ने कहा कि समस्या जिस स्तर की है उसी स्तर पर समाधान करें, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करते हुए जनता को योजनाओं से लाभान्वित करें। तहसील दिवस में सड़क, नाली निर्माण, हैंडपंप, शिक्षा, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पानी, बिजली, भूमि संबंधित कुल 92 शिकायतें पंजीकृत हुईं। इसमें से 22 शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। डीएम ने 70 समस्याओं को विभिन्न योजनाओं में रखने के निर्देश दिए।

सड़क खुदाई पर कार्रवाई- उन्होंने कहा किसी भी कार्यदायी संस्था द्वारा नगर निकास व लोनिवि की अनुमति लिए बिना सड़क खोदी गई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ बच्चों को विद्यालयों में एडमिशन कराने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह राणा, राजपाल सिंह, सतीश भट्ट, सीडीओ दिवेश शाशनी, एसडीएम तुषार सैनी, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, सीवीओ डॉ. आशुतोष जोशी, तहसीलदार वीरेन्द्र सजवाए, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध आदि रहे।

इन लोगों ने ये उठाईं समस्याएं- तहसील दिवस में ग्राम जरासु प्रतापपुर निवासी इन्द्रजीत सिंह ने भूमि का स्वामित्व दिए जाने, वार्ड नंबर-14 तिलक नगर निवासी संतोष मेहरोत्रा ने ऐंठा नाले से अतिक्रमण हटाकर सफाई कराने और वर्षाकाल से पूर्व पानी निकासी की व्यवस्था कराने, ग्राम प्रधान माया जोशी ने ग्राम पंचायत नदन्ना में जलभराव का निराकरण कराने, आदर्श कॉलोनी भूड़ महोलिया के निवासियों ने बारिश के पानी की निकासी को 100 मीटर नाली निर्माण कराने, श्रीपुर बिचुआ के निवासियों ने कृषकों की भूमि पर खड़क सिंह के घर से भूड़ा किशनी की ओर अवैध रूप से रास्ता बनाए जाने पर रोक लगाने, क्षेत्र पंचायत सदस्य चारूबेटा कमलेश सिंह ने ग्राम पंचायत में 15 हैंडपंप लगवाने, ग्राम प्रधान आलाविर्दी चन्द्रकला ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चटियाफार्म में वाटर कूलर व पंखा लगवाने, ग्राम प्रधान नौसर महेन्द्र पाल ने सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता को हटाने, क्षेत्र पंचायत सदस्य नगला तराई सनकेशी ने नई बस्ती नगला तराई में नाली निर्माण और नाली मरम्मत कराने की मांग की।

युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पीजी कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को स्वरोजगार, स्टार्टअप एवं आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एके तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए उद्यमिता एक बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों, कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प, पर्यटन एवं स्वरोजगार आधारित गतिविधियों में अपार संभावनाएं हैं जिनका लाभ उठाकर युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना की संदर्भदाता सपना नेगी ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता विकास, व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, स्वरोजगार के अवसरों व सरकारी योजनाओं के माध्यम से मिलने वाले प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता संबंधी जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने, डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने व छोटे स्तर से व्यवसाय शुरू कर उसे आगे बढ़ाने के विभिन्न तरीके भी बताए। इस मौके पर डॉ. गणेश प्रसाद, डॉ. बिशम्बर जोशी, कृष्ण देव रतूड़ी, राजेंद्र लाल आर्य, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. वैशाली सिंह, डॉ. यमुना प्रसाद रतूड़ी, डॉ. बबीता बंटवाण, डॉ. तबस्सुम जहां, बलवीर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

98 लाख की स्वीकृति के बावजूद अधूरा है पार्क

ऋषिकेश(आरएनएस)। राजीव नगर केशवपुरी दशहरा ग्राउंड में करीब 98 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे पार्क का निर्माण कार्य एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अधूरा है। निर्माण की बेहद धीमी गति को लेकर क्षेत्रवासियों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। विदित हो कि इस पार्क के लिए धनराशि तत्कालीन शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के कार्यकाल में स्वीकृत की गई थी। करीब तीन महीने पूर्व उन्होंने स्वयं पार्क स्थल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की धीमी रफ्तार और गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए नगर पालिका अधिकारियों को जल्द निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा। राजीव नगर केशवपुरी के स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे इंतजार के बावजूद पार्क का सपना अब तक पूरा नहीं हो पाया, जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को भारी निराशा झेलनी पड़ रही है। पार्क निर्माण की देखरेख नगर पालिका के अवर अभियंता अखिलेश खंडूरी द्वारा की जा रही है। कार्य की प्रगति पूछने पर हर बार नई तारीख बता दी जाती है। हाल ही में 30 अप्रैल तक निर्माण पूरा होने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तय समय निकल जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी एमएल शाह ने बताया कि निर्माण कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। अवर अभियंता और ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि शेष कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए।

सू- दोकू क्र.025

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.24का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

धाम में टोकन से ही श्रद्धालुओं को कराएं दर्शन: आयुक्त गढ़वाल

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित, सुगम बनाने के लिए आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय व पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने धाम क्षेत्र में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त व आईजी ने बाबा केदार के दर्शन के लिए लागू टोकन व्यवस्था की समीक्षा की और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से ही दर्शन कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता व पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती हो। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने एवं धाम क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के कारण फिसलन वाले स्थानों पर नियमित रूप से बर्फ हटाने, हेलिपैड पर यात्रियों की सुविधा के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, वरिष्ठ तीर्थपुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर व बीकेटीसी के सदस्य डॉ, विनीत पोस्ती व तीर्थपुरोहित उपस्थित रहे।

महिलाओं और बुजुर्गों के लिए 20 वाहन आरक्षित

केदारघाटी टैक्सी यूनियन सोनप्रयाग ने महिला और बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुविधा को देखते हुए 20 शटल वाहनों को उनके के लिए आरक्षित किया है। दरअसल सोनप्रयाग में बेरिकेडिंग पार करते हुए शटल वाहन में पहले बैठने के लिए हर किसी को जल्दी रहती है। महिलाओं व बुजुर्ग व्यक्तियों को समय पर अनुकूल सीट नहीं मिल पाती है जिस कारण वे काफी देर बाद गारीकुंड ही पहुंच पाते हैं। इस समस्या को देखते हुए यूनियन ने ऐसे यात्रियों के लिए 20 वाहन आरक्षित किए हैं। यूनियन के अध्यक्ष अंकित गैरोला ने बताया कि यूनियन ने ऐसे यात्रियों के लिए 20 वाहन आरक्षित किए हैं। एआरटीओ प्रवर्तन धर्मेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने स्यालीधार स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण और निर्धारित मानकों के अनुपालन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वेयर हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी नियमित जांच पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव तथा अभिलेखों के अद्यतन संधारण के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस में प्रवेश और निकास व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। इस दौरान लॉक सिस्टम और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती को संतोषजनक पाया गया। जिलाधिकारी ने सुरक्षा में तैनात कर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनके रहने तथा अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सदर रवि शाह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी भरत सिंह रावत समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

रानीखेत में 8 मई से शुरू होगी कुमाऊं कप टेनिस प्रतियोगिता

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिला टेनिस संघ के तत्वावधान में उत्तरांचल टेनिस एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित रानीखेत ओपन कुमाऊं कप टेनिस प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 8 से 10 मई तक रानीखेत क्लब में किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुमाऊं मंडल के विभिन्न जिलों से 17 से 79 वर्ष आयु वर्ग तक के 67 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन 8 मई को शाम पांच बजे केआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय कुमार करेंगे। प्रतियोगिता में गत वर्ष की विजेता टीम रुद्रपुर हिमालियन्स के अलावा हल्द्वानी चैलेंजर्स, नैनी पीक्स नैनीताल, रामनगर टाइगर्स, चुनाखान वारियर्स और रानीखेत गुलदार टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले डबल्स लीग प्रारूप में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता 19 से 59 वर्ष आयु वर्ग के ओपन वर्ग और 60 प्लस वर्ग में आयोजित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने और खेल पर्यटन को बढ़ावा देना है। उत्तरांचल टेनिस एसोसिएशन के महासचिव सुमित गोयल ने बताया कि रानीखेत में पिछले करीब 40 वर्षों से इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित होती आ रही हैं और खिलाड़ी पूरे वर्ष इस प्रतियोगिता का इंतजार करते हैं। प्रतियोगिता के संयोजक सचिव अरविंद साह और प्रतियोगिता प्रबंधक गौरव पांडे ने बताया कि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के आतिथ्य और प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला टेनिस संघ के अध्यक्ष हिमांशु उपाध्याय और उपाध्यक्ष अनिल गोयल ने भी प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं उत्तरांचल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार और संरक्षक प्रदीप कुमार वालिया ने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

तहसील दिवस में पांच शिकायतें दर्ज

रुड़की(आरएनएस)। तहसील सभागार में आयोजित तहसील दिवस में केवल पांच लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें से 2 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में अधिकतर मामले पैमाइश से संबंधित रहे। तहसीलदार दयाराम की अध्यक्षता में आयोजित तहसील दिवस में सबसे पहले पिछली बैठक में आई शिकायतों की समीक्षा की गई। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

होमस्टे व्यवसाय को नए नियमों के दायरे में लाया गया, पहले नक्शा, फिर पंजीकरण

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी जिले में तेजी से बढ़ रहे होमस्टे व्यवसाय को अब नए नियमों के दायरे में लाया गया है। पर्यटन विभाग ने होमस्टे पंजीकरण के लिए नक्शा पास करना अनिवार्य कर दिया है। अब बिना स्वीकृत नक्शे के कोई भी व्यक्ति होमस्टे का संचालन नहीं कर सकेगा। नए नियमों के तहत हाईवे से सटे क्षेत्रों में बनने वाले होमस्टे के नक्शे को जिला विकास प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी होगी जबकि आंतरिक और ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत नक्शा पास करेगा। इसके लिए इच्छुक लोगों को संबंधित विभाग में आवेदन करना अनिवार्य होगा।जिले में वर्तमान समय में करीब 630 होमस्टे पंजीकृत हैं जो पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है।

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे लोगों की आर्थिक बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। पर्यटन विभाग को इस वित्तीय वर्ष में 24 नए होमस्टे का लक्ष्य दिया गया था जिसे पूरा कर लिया गया है। वहीं, 12 नए आवेदनों की प्रक्रिया अभी बैंक स्तर पर लंबित है। होमस्टे योजना के तहत सरकार की ओर से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। इच्छुक लोग बैंक से अधिकतम 30 लाख तक का ऋण ले सकते हैं। इसके लिए होमस्टे में न्यूनतम छह कमरे और 24 बेड की व्यवस्था होना अनिवार्य है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 630 लोग अपने होम स्टे का पंजीकरण करा चुके हैं। इनमें लगभग 120 महिलाएं भी शामिल हैं।

स्वरोजगार के लिए होमस्टे योजना की तरफ लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। पर्वतीय क्षेत्रों में आ रहे पर्यटकों को भी होमस्टे पसंद आ रहे हैं। अब नए नियमों के तहत पर्यटन विभाग ने होमस्टे पंजीकरण के लिए नक्शा पास करना अनिवार्य कर दिया है।

सार्वजनिक स्थल पर हुक्का बार व हुडदंग करना पड़ा भारी, हिरासत में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सार्वजनिक स्थान पर हुक्का बार व हुड़दंग करना 6 युवकों को भारी पड़ गया। पुलिस ने उनको हिरासत में लेते हुए चालानी कार्यवाही कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना खानपुर पुलिस को सूचना मिली कि कस्बा खानपुर में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर हुक्का बार करते हुए हुड़दंग मचा रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी करते हुए 6 लोगों को शान्ति व्यवस्था भंग होने के दृष्टिगत हिरासत में ले लिया। जिनके खिलाफ पुलिस एक्ट व मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गयी है। आरोपियों के नाम जयदीप पुत्र भगत सिंह निवासी ग्राम नैटवाला सैदाबाद लक्सर, विकास पुत्र दलवीर सिंह निवासी निगाड़ा कला हरियाणा, हिमाशुं पुत्र सुरेश कुमार निवासी जग्गवाडा हासी हरियाणा, विक्की पुत्र कृष्णा निवासी कस्बा घनी घरनी हरियाणा, मोहित पुत्र ईश्वर निवासी हसी हासी हरियाणा व सुखदेव पुत्र बंशीराम निवासी हासी हरियाणा बताये जा रहे है।

टैम्पों से महिला यात्री के झुमके चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने टैम्पों से महिला यात्री के झुमके चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रांझावाला निवासी हिमानी देवी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां किसी काम से आयी थी। वह राणा पैलेस से टैम्पों सेा मुख्य बाजार तक आयी थी। जब वह टैम्पों से उतरी तो उसने देखा कि उसके पर्स में रखे उसके झुमके गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ढाबों में शराब पिलाने वाले 2 प्रतिष्ठान संचालकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। अवैध रूप से ढाबे पर शराब पिलाने वाले दो प्रतिष्ठानों के संचालकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में सम्पूर्ण जनपद में प्रचलित 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सघन चैकिंग/सत्यापन अभियान चलाते हुए आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा लगातार सघन चैकिंग/सत्यापन अभियान चलाते हुए ऐसे अभियुक्तों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। इसी क्रम मे थाना रायपुर पुलिस द्वारा रात्रि में होटल/ढाबों की चेकिंग के दौरान मालदेवता क्षेत्र में बिना लाइसेंस/परमिट के अपने होटल/ढाबों में शराब पिलाने वाले 02 रेस्टोरेंट स्वामियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मौके पर ढाबे में बैठकर शराब पी रहे लोगों को पुलिस द्वारा थाने लाया गया, जिनके विरुद्ध 81 पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालान की कार्यवाही की गई है। गिरफ्तार ढाबा संचालकों ने अपने नाम दीपक बिष्ट पुत्र सुरेंद्र सिंह बिष्ट, निवासी सेक्टर-2 हरीपुर नवादा, थाना नेहरू कॉलोनी, देहरादून, मदन सिंह पुंडीर पुत्र स्व. कँवर सिंह पुंडीर, निवासी मालदेवता, थाना रायपुर बताया।

नारी शक्ति वंदन केवल भाजपा के...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सहकारी संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा या अल्मोड़ा में 14 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड कांड में मुख्य आरोपी भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवत सिंह बोरा तथा रूद्रपुर में नाबालिग लड़की एवं उसकी मां से छेड़छाड़ मामले में मुख्य आरोपी भाजपा पार्षद शिव कुमार गंगवार हों या अब चम्पावत में सामूहिक बलात्कार की घटना में भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत की। इन सभी प्रकरणों से ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तराखंड राज्य के सत्ताधारी दल के नेताओं की नजरों में मातृशक्ति केवल उपभोग की वस्तु मात्र है तथा नारी शक्ति वंदन और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चुनावी जुमला। डॉ. प्रतिमा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गृह क्षेत्र चम्पावत में नाबालिग युवती के साथ भाजपा नेता की अगुवाई में हुई सामूहिक बलात्कार की शर्मनाक घटना के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देश पर प्रदेशभर के जिला एवं महानगर मुख्यालयों में 8 मई 2026 को विरोध-प्रदर्शन के साथ भाजपा सरकार का पुतला दहन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में महिला अस्मिता को लेकर बड़ा आन्दोलन किया जायेगा।

कुमाऊं आयुक्त ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मुख्यमंत्री के सचिव एवं कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने आज विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कुमाऊं आयुक्त ने माल रोड सड़क सुधारीकरण कार्य जिसे लोनिवि द्वारा किए जा रहे है का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता लोनिवि ने बताया कि सड़क में एंकरिंग का कार्य सहित अन्य सुरक्षात्मक कार्य प्रगति पर है। कुल 51 में से 11 माइक्रोपाइल लगाए जा चुके हैं। 31 जून तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। आयुक्त ने क्षतिग्रस्त सड़क के सुधारीकरण कार्य की प्रगति भी देखी और समयबद्ध पूर्णता के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसए में कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्य का भी स्थलीय निरीक्षण आयुक्त ने किया। 5 करोड़ रुपये की लागत से ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा डीएसए भवन में कराए जा रहे फसाड निर्माण, शौचालय, चेंजिंग रूम एवं बैडमिंटन कोर्ट सुधारीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने 15 जून तक शौचालय एवं चेंजिंग रूम का कार्य हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

❑तय समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश
❑गंदगी पर जताई नाराजगी, सीसीटीवी से निगरानी के आदेश

खड़ी बाजार एवं बड़ा बाजार के निरीक्षण के दौरान बड़ा बाजार में लोनिवि द्वारा 2.38 करोड़ रुपये की लागत से सड़क सौंदर्यीकरण एवं अंडरग्राउंड केबलिंग का कार्य किया जा रहा है। कार्य रात्रि में हो रहा है। कार्य धीमी गति से पाया गया। आयुक्त ने कहा कि वे स्वयं निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करेंगे। दो दिन में आईपी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और बरसात से पूर्व भूमिगत कार्य पूर्ण कर लिया जाए।

बी.डी. पांडे चिकित्सालय परिसर में मंडी परिषद द्वारा '9.13 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 6 टाइप-2 आवास एवं चहारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है का भी निरीक्षण किया। मौके पर कार्य बंद पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कुमाऊं आयुक्त ने कल से ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश मंडी परिषद को दिए। चार्टन लॉज-आभागढ़ क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में कूड़े के ढेर व गंदगी पाए जाने पर आयुक्त ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को फटकार लगाई। तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाने, व 4 कर्मचारी नियमित तैनात करने एवं गंदगी फैलाने वालों के चालान की कार्रवाई के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों से भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

आयुक्त ने रोडवेज बस अड्डा निरीक्षण के दौरान स्टेशन से संचालित बसों की जानकारी ली गई। परिसर एवं प्राधिकरण भवन के निकट व्याप्त गंदगी पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए ईओ नगर पालिका को फटकार लगाई तथा क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। सीसीटीवी से निगरानी कर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई के आदेश दिए।

6 नाबालिग बच्चों को 6 घन्टे में पुलिस ने सकुशल किया बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्कूल से गायब हुए छह नाबालिगों को हरिद्वार से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया।

मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली डोईवाला पर सांय डोईवाला क्षेत्र में निवासरत कुछ व्यक्तियों द्वारा सूचना दी गयी कि उनके 06 बालक (सभी 12 से 15 वर्ष आयुवर्ग) जो कि लालतप्पड स्थित एक विद्यालय मे कक्षा 7 व 8 मे अध्यनरत् हैं, प्रतिदिन की तरह सुबह स्कूल के लिए गये थे तथा स्कूल की छुट्टी होने के बाद अब तक भी वापस घर नही आये है।

प्रकरण की संवेदनशीलता के दृष्टिगत बच्चो की सकुशल बरामदगी हेतु एसएसपी देहरादून द्वारा तत्काल कोतवाली डोईवाला पर अलग अलग टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए बच्चों के विद्यालय तथा उसके आस-पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों से आवश्यक जानकारियां प्राप्त की गई। साथ ही सुरागरसी/ पतारसी करते हुए आस-पास के लोगों से आवश्यक पूछताछ की गई, इसके अतिरिक्त आस-पास के थानों तथा सोशल मीडिया में बच्चों की तस्वीरों को प्रसारित करते हुए उनकी बरामदगी के प्रयास किये गये।

पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासो के फलस्वरूप देर रात्रि पुलिस टीम द्वारा उक्त सभी नाबालिक बालको को हरिद्वार रेलवे स्टेशन से सकुशल

बरामद करते हुए परिजनो के सपुर्द किया गया। पूछताछ के दौरान उक्त सभी बालको द्वारा बताया गया कि उन सभी ने साथ मिलकर हरिद्वार घूमने की योजना बनायी थी, योजना के तहत सभी बच्चे घर से स्कूल आते समय अपने स्कूल बैग मे अपने साथ घर के कपडे भी ले गये थे।

स्कूल की छुट्टी होने के पश्चात वे सभी बच्चे स्कूल के बाहर एकत्रित हुए और बिना किसी को सूचना दिये बस से हरिद्वार पहुंचे, जहाँ वे सभी हरकीपैड़ी व अन्य स्थानों पर घूमे, इस दौरान काफी रात हो जाने के कारण वे सभी वापस घर आने पर परिजनो की डांट के डर से रेलवे स्टेशन हरिद्वार पहुंचे और वहां से भी कही और जाने के लिए ट्रेन का इन्तेजार करने लगे।

दून पुलिस द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही से अल्पावधि मे ही पुलिस द्वारा सभी बच्चों को सकुशल ढूढकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चों को सकुशल वापस पाकर सभी बच्चों के परिजनों द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए दून पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात बैरियर के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 103 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मनीष बिष्ट पुत्र कमल सिंह बिष्ट निवासी डांडी रानीपोखरी बताया।

उत्तराखंड में सत्ता की धमक और बढ़ते अपराध के बीच घिरी भाजपा

देवभूमि पर 'अपनों' का 'दाग'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सत्ता, संगठन और कानून व्यवस्था कटघरे में है। चंपावत से लेकर हरिद्वार तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने सरकार की बेटी बचाओ के नारों पर सवाल खड़े किए हैं। प्रदेश में महिलाओं के विरु(अपराध और उनमें सत्ताधारी दल से जुड़े चेहरों की संलिप्तता ने प्रदेश के राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। अंकिता भंडारी हत्याकांड के बाद जनता के भीतर जो आक्रोश पैदा हुआ था, वह अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ कि नए मामलों ने फिर बहस छेड़ दी है।

सबसे ताजा और चौंकाने वाला मामला मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र चंपावत से सामने आया है। यहाँ एक 10वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप के मामले में भाजपा के एक मंडल उपाध्यक्ष, एक पूर्व प्रधान और एक छात्र पर गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित एक दोस्त की मेहंदी की रस्म में गई थी, जहाँ से उसे बंधक बनाकर इस घृणित कार्य को अंजाम दिया गया। इससे पूर्व हरिद्वार में एक पूर्व भाजपा महिला मोर्चा नेत्री ने अपने ही प्रेमी और उसके

❑देवभूमि में संगठन-सत्ता के बीच पिस रही है कानून-व्यवस्था
❑उत्तराखंड में महिला अपराधों ने बढ़ाया प्रदेश में सियासी पारा
❑सूबे में बेटियों की सुरक्षा को लेकर विपक्षी पूछ रहे हैं सवाल
❑भाजपा नेताओं के नाम आने से गरमाया राजनीतिक माहौल

साथियों को अपनी नाबालिग बेटी का यौन शोषण करने की अनुमति दी। वही अल्मोड़ा के भाजपा ब्लाक प्रमुख भगवत बोरा पर एक 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा था। मामला तब बढ़ा जब आरोपी ने पीड़िता के परिवार को धमकाने की कोशिश की।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले महिला सुरक्षा एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है। खासतौर पर पहाड़ की महिलाओं और युवाओं के बीच यह भावना मजबूत हो रही है कि राजनीति में चरित्र और जवाबदेही पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सवाल केवल किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि

इंसाफ की सबसे लंबी लड़ाई

उत्तराखंड के इतिहास में सबसे ज्यादा चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में मई 2025 में कोटद्वार कोर्ट ने मुख्य आरोपी पुलकित आर्य ;पूर्व भाजपा नेता का बेटाद्ध और उसके साथियों को दोषी करार दिया। हालांकि यह मामला हत्या का था, लेकिन इसमें स्पेशल सर्विस के नाम पर यौन उत्पीड़न के दबाव की बात सामने आई थी, जिसने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया था।

उस भरोसे का है जो जनता लोकतंत्र और शासन व्यवस्था पर करती है। सत्ता में बैठे लोग महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के मुद्दे पर कितने गंभीर हैं।

उत्तराखंड में पिछले कुछ समय में सत्तारूढ़ भाजपा के कुछ नेताओं और उनके करीबियों पर गंभीर आरोप लगने का क्रम जारी हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति में उबाल है। विपक्ष इन मुद्दों को कानून-व्यवस्था की विफलता बताकर सरकार को घेर रहा है। राजनैतिक विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में इन मुद्दों की आंच से भाजपा को नुकसान भी हो सकता है।

खाई में गिरी कार, तीन की मौत

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। सड़क हादसे में आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से जहां तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं कार के भी परखच्चे उड़ गये। सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ व स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू अभियान चलाया और मृतकों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां अग्रिम कार्यवाही जारी है। उत्तराखण्ड राज्य में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आये दिन होने वाले सड़क हादसों में लोगों को जान माल का नुकसान हो रहा है। सड़क हादसे का ताजा मामला अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण क्षेत्र में सामने आया है यहां रापड़-गगोडा-चमडखान-सोनी रानीखेत मोटर मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान काफी मशक्कत के बाद शवों को गहरी खाई से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि कार रानीखेत की ओर जा रही थी, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में समा गया। पुलिस के अनुसार फिलहाल मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

चोरी की दो बाइक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी की वारदातों में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी दो बाइक भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को खेलपुर रोड पर बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। बाइक के विषय में जानकारी करने पर पता चला कि वह थाना भगवानपुर में दर्ज बाइक चोरी के मुकदमें से सम्बन्धित है। पूछताछ में उसने अपना नाम इजरार पुत्र इनाम निवासी ग्राम खेलपुर थाना भगवानपुर हरिद्वार बताया। बताया कि उसके द्वारा एक अन्य बाइक थाना गंगनहर से भी चोरी की गयी थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर खेलपुर आम के बाग से उक्त बाइक भी बरामद की। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

रेलवे स्टेशन की पार्किंग में कार के अन्दर मिला युवक का शव

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी एक कार में आज सुबह एक शव मिलने पर सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

मामला लालकुआं रेलवे स्टेशन परिसर का है। जानकारी के अनुसार यहां पार्किंग में खड़ी एक कार में आज सुबह एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। रेलवे स्टेशन की पार्किंग में शव मिलने की सूचना से यात्रियों और स्थानीय व्यापारियों में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस व रेलवे सुरक्षा बल की टीमें मौके पर पहुंचीं और मामले की छानबीन शुरू कर दी

गयी। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में मृतक की शिनाख्त मदन राम (आयु 42 वर्ष) निवासी ग्राम आरे जिला बागेश्वर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मदन राम वर्तमान में हल्द्वानी के दमुवाढूंगा क्षेत्र में निवास कर रहा था और पेशे से टैक्सी चालक था। मृतक के परिवार में दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं, जो इस घटना के बाद से गहरे दु:ख में और स्तब्ध हैं।

टिहरी झील क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में किया जाए विकसित: बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि टिहरी क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाये।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में टिहरी झील क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किए जाने हेतु संबंधित विभागों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक राज्य एक ग्लोबल डेस्टिनेशन के तहत् टिहरी झील रिंग रोड एवं आसपास के क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किए जाने के लिए एक कोम्प्रेहेंसिवे प्लान तैयार किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि टिहरी स्पेशल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी पूरे क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीएमओ) के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि टिहरी झील क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए एक व्यापक एवं सम्पूर्ण कार्ययोजना तैयार की जाए। जिसमें टिहरी झील रिंग रोड का निर्माण, आईकोनिक ब्रिज और हरे-भरे पैदल मार्ग शामिल हों। जहां एक ओर एडवेंचर टूरिस्ट के साथ-साथ वेलनेस सेंटर्स हों तो दूसरी ओर ईको पार्क और प्राकृतिक व्यू पॉइन्ट्स हों। उन्होंने कहा कि इसमें फेजवाइज काम किया जा सकता है, परन्तु योजना एक बार में सर्म्पूण रूप से तैयार की जाए। मुख्य सचिव ने टिहरी पहुँचने के

लिए एंड टू एंड कनेक्टिविटी पर भी फोकस किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्गों को चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण किए जाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि नए रूट्स की सम्भावनाएं भी तलाशी जाएं। उन्होंने साईट स्पेसिफिक कंस्ट्रक्शन पर जोर देते हुए पूरे क्षेत्र में ग्रीन एरिया एवं प्राकृतिक सौन्दर्यता को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने परियोजना में वॉटरड्रोम और वॉटरपोर्ट को भी शामिल किए जाने की बात कही। कहा कि आइकोनिक पुलों का निर्माण एवं डिजाईन में सी-प्लेन के परियोजना को ध्यान में रखते हुए किया जाए। उन्होंने डोबराचांटी पुल के पास स्थित हेलीपैड को हेलीपोर्ट के रूप में विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इस परियोजना में कार्य करने वाली सभी संस्थाएं आपनी तालमेल के साथ कार्य करें। इस अवसर पर सचिव सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, धीराज गर्ब्याल, अपर सचिव विनीत कुमार एवं अभिषेक रोहिला सहित सम्बन्धित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।